PanchangBodh

ग्रह गोचर 2027

ग्रहों का पूरा वर्ष, तिथि-दर-तिथि

धीमे ग्रह, राशि-दर-राशि

♃ सिंह → कर्क → सिंह → कन्या

♄ मीन → मेष → मीन

♘ मकर

♋ कर्क

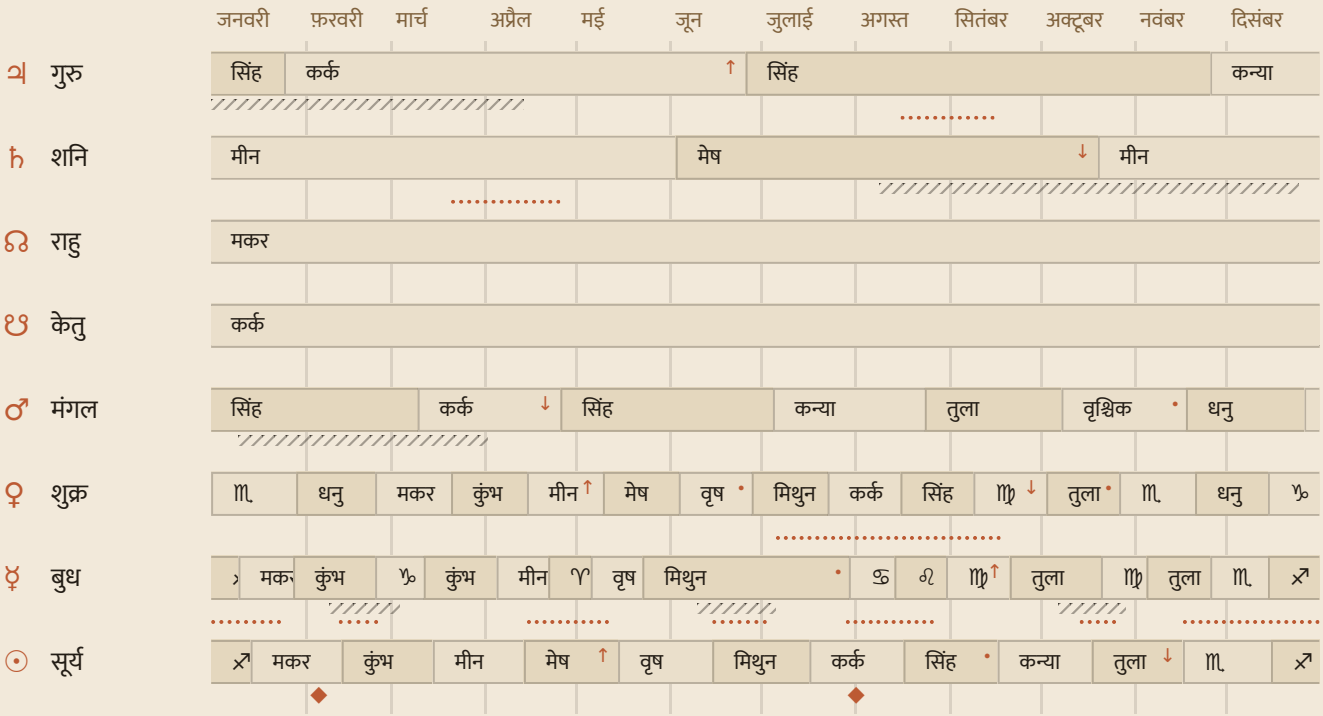
निरयण · लाहिड़ी अयनांश · भारतीय समय · नई दिल्ली

शोध पर आधारित पंचांग · हर पाठक के लिए एक ही पुस्तक

केवल नमूना पृष्ठ · पूरी पुस्तक में 62 पृष्ठ हैं
पंचांगबोध · ग्रह गोचर 2027

आठ ग्रह, बारह महीने

वर्ष की हर राशि-स्थिति एक पृष्ठ पर



एक राशि में स्थिति · वक्री · अस्त · सूर्य ग्रहण · ↑ उच्च · ↓ नीच · • स्वराशि

हर पट्टी एक ग्रह का वर्ष है। एक खंड किसी राशि में ग्रह की एक स्थिति है; जगह हो तो राशि का नाम छपा है, नहीं तो उसका चिह्न। धारियाँ वक्री काल दिखाती हैं, बिंदुदार रेखा अस्त काल, और सूर्य की पट्टी पर हीरे का निशान सूर्य ग्रहण। ऊपर की धीमी पट्टियाँ सबसे कम बदलती हैं: शनि दो बार राशि बदलते हैं, गुरु तीन बार, और राहु-केतु एक बार भी नहीं।

वर्ष का सबसे व्यस्त हिस्सा साफ़ दिखता है। जुलाई के मध्य से सितंबर के मध्य तक चारों तेज़ ग्रह पास-पास रहते हैं — पहले ग्रहण के आसपास कर्क में, फिर गुरु के साथ सिंह में — और इसी बीच शनि मेष के आरंभिक अंशों पर ठहरकर पीछे मुड़ते हैं। सबसे शांत समय मई का उत्तरार्ध है, जब तीन सप्ताह तक कोई ग्रह राशि नहीं बदलता।

पट्टियाँ दिन के हिसाब से बनी हैं; मिनट तक के सटीक क्षण खंड 4 के मासिक पृष्ठों में और हर ग्रह की अपनी तालिका में हैं।

केवल नमूना पृष्ठ · पूरी पुस्तक में 62 पृष्ठ हैं
पंचांगबोध · ग्रह गोचर 2027

जनवरी

गुरु कर्क में लौटते हैं, मंगल वक्री होते हैं

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

पहली सुबह नौ ग्रह

☉ सूर्य	धनु 16°06′	पूर्वाषाढ़ा 1
☽ चंद्रमा	तुला 00°38′	चित्रा 3
♂ मंगल	सिंह 15°38′	पूर्वा फाल्गुनी 1
☿ बुध	धनु 15°42′	पूर्वाषाढ़ा 1
♃ गुरु	सिंह 02°12′ ℞	मघा 1
♀ शुक्र	तुला 29°16′	विशाखा 3 · स्वराशि
♄ शनि	मीन 14°06′	उत्तरा भाद्रपद 4
☊ राहु	मकर 28°37′	धनिष्ठा 2
☋ केतु	कर्क 28°37′	आश्लेषा 4

पहली तारीख़, प्रातः 06:00 बजे · ℞ वक्री

हर तिथिवार घटना · 13

1 जनवरी	22:37	सूर्य–बुध युति · धनु 16°49′
1 जनवरी	23:22	♀ शुक्र · वृश्चिक में प्रवेश
8 जनवरी	01:54	अमावस्या · धनु · पूर्वाषाढ़ा
10 जनवरी	00:37	☿ बुध · मकर में प्रवेश
10 जनवरी	18:24	♂ मंगल · वक्री आरंभ · सिंह
14 जनवरी	21:10	☉ सूर्य · मकर में प्रवेश
22 जनवरी	17:47	पूर्णिमा · कर्क · पुष्य
23 जनवरी	18:38	☿ बुध · उदय
25 जनवरी	01:31	♃ गुरु · कर्क में वापसी
25 जनवरी	01:31	♃ गुरु · आश्लेषा नक्षत्र में
26 जनवरी	09:21	बुध–राहु युति · मकर 27°16′
28 जनवरी	03:34	☿ बुध · कुंभ में प्रवेश
29 जनवरी	18:41	♀ शुक्र · धनु में प्रवेश

वर्ष की शुरुआत धनु के 16 अंश पर बुध और सूर्य की सटीक युति से होती है; उसी रात शुक्र वृश्चिक में आते हैं, और दो ग्रह पहले से वक्री हैं — गुरु दिसंबर से, मंगल 10 तारीख़ से। मकर संक्रांति 14 तारीख़ को 21:10 बजे है।

महीने की धुरी 25 तारीख़ है: 01:31 बजे गुरु की उल्टी चाल उन्हें सिंह से निकालकर अपनी उच्च राशि कर्क में ले आती है। 23 तारीख़ से सूर्य के तेज़ से बाहर आए बुध 26 को राहु के पास से गुज़रते हैं और 28 को कुंभ में जाते हैं; 29 को शुक्र धनु में आते हैं।

इस महीने की ख़ास तिथि

25

जनवरी

गुरु अपनी उच्च राशि में लौटते हैं

01:31 बजे गुरु की उल्टी चाल उन्हें सिंह से कर्क में ले आती है — वह राशि जहाँ शास्त्र उन्हें सबसे बली मानते हैं। वे 26 जून तक यहीं रहते हैं।

केवल नमूना पृष्ठ · पूरी पुस्तक में 62 पृष्ठ हैं
पंचांगबोध · ग्रह गोचर 2027

♈ मेष

चंद्र राशि

धैर्य से निभाने का वर्ष: साढ़े साती पूरे वर्ष चलेगी और 3 जून से 20 अक्टूबर तक आपकी राशि पर अपने शिखर पर रहेगी। पंचम भाव में गुरु राहत देंगे — 25 जनवरी तक और फिर 26 जून से 26 नवंबर तक।

दिन-ब-दिन वर्ष · गुरु, शनि, राहु और केतु की शुभ स्थितियाँ (0–4)



हल्का दौर 1–25 जनवरी · 26 जून – 26 नवंबर भारी दौर 25 जनवरी – 26 जून · 26 नवंबर – 31 दिसंबर

चंद्र राशि से गिने भावों में धीमे ग्रह · शास्त्रों में फल

✦ शास्त्रीय तालिका में शुभ

♄ मीन में शनि 3 जून तक · 20 अक्टूबर से	12 भाव	धन · यात्रा साढ़े साती का प्रथम चरण: खर्च, यात्रा और हानि। खर्च की योजना बनाएँ; विश्राम और एकांत इस दौर के अनुकूल हैं।
♄ मेष में शनि · नीच 3 जून – 20 अक्टूबर	1 भाव	स्वास्थ्य · मन साढ़े साती का शिखर: थकान, रोग, खर्च और अपनों से दूरी। नींद, भोजन और स्वास्थ्य-जाँच नियमित रखें; नई ज़िम्मेदारियाँ कम लें।
♃ सिंह में गुरु 25 जनवरी तक · 26 जून – 26 नवंबर	5✦ भाव	संतान · मान-सम्मान संतान-सुख, सही परामर्श और बड़ों की कृपा। पढ़ाई, रचनात्मक काम और संतान के विषयों के लिए अनुकूल।
♃ कर्क में गुरु · उच्च 25 जनवरी – 26 जून	4 भाव	परिवार · मन घर में चिंता और संबंधियों से कष्ट। संपत्ति और घरेलू निर्णयों में धीमे चलें।
♃ कन्या में गुरु 26 नवंबर से	6 भाव	स्वास्थ्य · कामकाज विरोधियों से टकराव, छोटे रोग और चिंता। स्वास्थ्य की दिनचर्या बनाए रखें; विवादों से दूर रहें।
☊ मकर में राहु पूरे वर्ष	10 भाव	कामकाज · मान-सम्मान काम में अस्थिरता और अधिकारियों से टकराव। काम में पारदर्शिता और लेखा-जोखा साफ़ रखें।
☋ कर्क में केतु पूरे वर्ष	4 भाव	घर · परिवार घर और माता को लेकर चिंता। घर और परिवार को समय दें।

साढ़े साती / ढैया	प्रथम चरण 1 जनवरी – 3 जून · शिखर 3 जून – 20 अक्टूबर · प्रथम चरण 20 अक्टूबर – 31 दिसंबर
भारत में दिखने वाला ग्रहण	2 अगस्त · चतुर्थ भाव (4) — पंचांगों की तालिका का फल: व्यथा।

आपकी अपनी कुंडली

ये फल चंद्र राशि के लिए शास्त्रों के बताए हुए हैं। इनमें से कितना आप तक पहुँचेगा, यह आपकी जन्म कुंडली — उसकी दशा, लग्न और ग्रह — तय करती है। अपनी कुंडली यहाँ देखें: panchangbodh.com/hi/janam-kundali

पंचांगों से मिलान

वर्ष के मुख्य क्षण चार प्रकाशित पंचांगों के साथ — नई दिल्ली, भारतीय मानक समय, 8 नवंबर 2026 को देखे गए

घटना	तिथि	यह पुस्तक	द्रिक पंचांग	अन्य पंचांग
राहु का मकर में प्रवेश · स्पष्ट	25 नवंबर 2026	**19:15**	16:34	—
राहु का मकर में प्रवेश · मध्यम	5 दिसंबर 2026	**22:32**	19:28	—
मंगल वक्री	10 जनवरी 2027	**18:24**	18:28	—
मकर संक्रांति	14 जनवरी 2027	**21:10**	21:14	—
गुरु की कर्क में वापसी	25 जनवरी 2027	**01:31**	00:52	एस्ट्रोमित्र 02:12
मंगल मार्गी	1 अप्रैल 2027	**19:41**	19:36	—
प्रतिपदा आरंभ · नववर्ष	7 अप्रैल 2027	**05:21**	05:20	—
मेष संक्रांति	14 अप्रैल 2027	**15:28**	15:32	—
शनि का मेष में प्रवेश	3 जून 2027	**05:28**	06:23	एस्ट्रोमित्र 04:43 · एस्ट्रोसेज 06:30
गुरु का सिंह में प्रवेश	26 जून 2027	**05:18**	05:43	एस्ट्रोमित्र 04:50
ग्रहण का मध्य, दिल्ली	2 अगस्त 2027	**16:29**	—	मुहूर्तम् 16:29
शनि वक्री	9 अगस्त 2027	**22:54**	—	एस्ट्रोसेज 23:35
शनि की मीन में वापसी	20 अक्टूबर 2027	**07:12**	06:05	एस्ट्रोमित्र 08:13 · एस्ट्रोसेज 06:05
गुरु का कन्या में प्रवेश	26 नवंबर 2027	**18:45**	19:17	एस्ट्रोमित्र 18:06
शनि मार्गी	24 दिसंबर 2027	**09:04**	—	एस्ट्रोसेज 06:16

हर तिथि मेल खाती है। तेज़ घटनाएँ — सूर्य के राशि-प्रवेश, मंगल के मोड़, अमावस्या और ग्रहण — पाँच मिनट के भीतर मिलती हैं। धीमे ग्रहों में अंतर बड़ा है — शनि और गुरु में एक घंटे तक, राहु में तीन घंटे — पर उसमें एक ढर्रा है: हर पंक्ति पर हर पंचांग का झुकाव एक ही दिशा में है। यह भूल नहीं, थोड़ी अलग परिपाटी का निशान है। अगला पृष्ठ इसका कारण बताता है।

स्रोत

ग्रह-स्थिति	हर ग्रह की गणना सेकंड तक, और नासा जेपीएल की डीई431 ग्रह-सारणी से जाँची हुई: पुस्तक के 92 राशि-प्रवेश, स्तंभन, अमावस्या और पूर्णिमा में से 89 मिनट तक मेल खाते हैं; बाकी तीन में एक मिनट का अंतर है।
अयनांश	लाहिड़ी (चित्रापक्ष), जैसा भारत की पंचांग सुधार समिति ने अपनाया।
गोचर फल	मंत्रेश्वर की फलदीपिका, अध्याय 26 (गोचर-फल): चंद्र राशि से शुभ भाव और हर गोचर का फल।
ग्रहों का बल	बृहत् पराशर होरा शास्त्र: उच्च, नीच और स्वराशि।
ग्रहण का भाव-फल	उत्तर भारत के पंचांगों में छपने वाली ग्रहण-फल तालिका।
विक्रम संवत के नाम	उत्तर भारत के पंचांग, जैसा 2026 में अमर उजाला, आज तक और ईटीवी भारत ने छापा।